जनांदोलन समन्वय समिति
द्वारा - जनमुक्ति संघर्ष वाहिनी कार्यालय
१२-राजेन्द्रनगर, पटना - १६

प्रिय साथी ,

पिछले दिनों हुई एक दुर्घटना के कारण जनांदोलन समन्वय समिति को एक बड़ी क्षति हुई है । २६ अप्रील को समता संगठन के साथी शिवचन्द्र (एकगरसराय, नालन्दा, बिहार) व राजनारायण (इटारसी, मध्यप्रदेश) की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गयी । समता संगठन व उत्तजास के अन्य साथियों को भी चोटें आयी हैं । सारे साथी म०प्र० के सीधी जिले में स्थित बैढ़न में सम्पन्न समता संगठन के राष्ट्रीय सम्मेलन से लौट रहे थे । यह दुर्घटना शक्तिनगर से बनारस तक की जीपयात्रा के दरम्यान हाशीनाला नामक स्थान के पास जीप के बस से टकरा जाने के कारण हुई ।

साथी शिवचन्द्र व साथी राजनारायण प्रबिध्द आन्दोलनों से जुड़े रहे थे । शिवचन्द्र जी ने ७४ आन्दोलन में अपने इलाके में प्रमुख भूमिका निभायी थी । आपातकाल में वे लम्बे समय तक भागलपुर जेल में रहे । समता संगठन के नेतृत्व और किसान आन्दोलन के राष्ट्रीय समन्वय की भूमिका में भी वे सक्रिय रहे । इसी सम्मेलन में वे समता संगठन के राष्ट्रीय संयोजक चुने गये थे । शिवचन्द्र जी के पीछे पूरा एक परिवार है - उनकी पत्नी, उनकी दो संतान और उन्हीं पर आश्रित माता -पिता । साथी राजनारायण इटारसी के पास केसला गाँव में " सहेली " नामक केन्द्र से जुड़े हुए थे । वे १९८४ से ही उस केन्द्र से स्थानीय आदिवासी जनता के संगठन और जुझारु कार्यक्रम "आदिवासी किसान संगठन " के झंडे तले चला रहे थे । सरकार द्वारा लादे गये झूठे मुकदमें के प्रतिवाद में राजनारायण ने अपने सहकर्मी सुनील के साथ जमानत पर छूटना नामंजूर कर दिया था । छः माह बाद तक वे होशंगाबाद जेल में रहे , तभी बाहर निकले जब मुकदमें की कार्यवाही पूरी हुई । वे ~~अविवाहित~~ अविवाहित थे उनके परिवार में उनके माता -पिता और दो छोटे भाई थे ।

जनांदोलन समन्वय समिति की संचालन समिति की बैठक में साथी शिवचन्द्र और साथी राजनारायण की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया गया । इन दोनों साथियों की मृत्यु को जनांदोलन समन्वय समिति और लोकतांत्रिक क्रांतिकारी आन्दोलन की एक बड़ी क्षति मानी गयी । संचालन समिति की बैठक २९-३० अप्रील को रहमान हाउस पटना में हुई । इस बैठक में समता संगठन के श्री किशन पटनायक व श्री सच्चिदानन्द सिन्हा, उत्तजास के श्री युगल किशोर रायवीर व श्री फेबियानुस तिर्की ,जसवा के प्रियदर्शी व मंथन तथा छात्र युवा संघर्ष वाहिनी के कौशल गणेश आजाद शामिल हुए ।

इस आकस्मिक व दुखद घटना के कारण हुए आघात व क्षति की वजह से पूर्वनियोजित कार्यक्रमों में परिवर्तन की बाध्यता बनी है । पहले २९ मई को जनांदोलन

समन्वय समिति (जसस की) बिहार स्तरीय रैली व ३०-३१ मई के राष्ट्रीय सम्मेलन किया जाना तय था । इस आयोजन का समय बदलना पड़ा है । अब यह कार्यक्रम बरसात के मौसम के बाद अक्टूबर माह (दुर्गापूजा और दीपावली के बीच के दिनों) में होगा । शनिबार, ६ अक्टूबर १९९० को जसस का बिहार प्रांत रैली होगी और ७-८ अक्टूबर को जसस का राष्ट्ररय सम्मेलन होगा ।

सम्मेलन व रैली के बारे में अन्य कई निर्णय भी लिये गये । रैली तथा सम्मेलन की तैयारी के विस्तृत नियोजन के लिये २-३ जून को पटना में समता संगठन, जनमुक्ति संघर्ष वाहिनी और छात्र-युवा संघर्ष वाहिनी के बिहार प्रतिनिधियों की बैठक होगी । सम्मेलन में भागीदारों की संख्या ३०० से ३५० के बीच होगी । उत्तजास, समता संगठन जसवा, छात्र-युवा संघर्ष वाहिनी की ओर से ५०-५० प्रतिनिधि शामिल होंगे । उत्तराखंड संघर्ष वाहिनी ऽ युवक क्रांतिदल, कर्नाटक राज्य दलित संघर्ष समिति के कुल ५० प्रतिनिधि होंगे । ५० से १०० के बीच की संख्या में पर्यवेक्षक होंगे । पर्यवेक्षक के रुप में उन व्यक्तियों को आमंत्रण दिया जानेवाला है, जो लोकतांत्रिक क्रान्तिकारी आन्दोलन के प्रति आस्थावान व सहयोगी हैं या हो सकते हैं । वैसे आन्दोलनों के प्रतिनिधियों को बुलाया जायेगा, जिन्हें लोकतांत्रिक क्रान्तिकारी शक्तियों के राष्ट्राय समन्वय में जोड़ना जसस जरुरी मानती है । पर्यवेक्षकों की सूची राज्य व संगठन के स्तर पर भी तय होगी । सम्मेलन के लिये जसस के हर घटक संगठन को १००० रु० आरंभिक सहयोग के रुप में शीघ्र पटना कार्यालय में योगदान करना है । सम्मेलन का राष्ट्रीय तैयारी समिति की बैठक २३ से २६ जुलाई तक राजगीर के पास एक गांव में होगी ।

लोकतांत्रिक क्रान्तिकारी आन्दोलन का विस्तार और आज के शून्यताग्रस्त माहौल में वैकल्पिक शक्ति के निर्माण की प्रक्रिया के सन्दर्भ में सांगठनिक व सैध्दान्तिक दिशा-निर्धारण के मकसद से जसस का पहला राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया है । सम्मेलन के अवसर पर ही प्रांतीय रैली के आयोजन के पीछे भी एक स्पष्ट दृष्टि है । आज बिहार में लोकतांत्रिक क्रांतिकारी का धारा के आन्दोलन व संगठन के शक्ति व प्रतिबध्दता के प्रति एक भ्रम बन रहा है । उस भ्रम को तोड़ना और बिहार में लोकतांत्रिक क्रांतिकारी धारा की सशक्त व महत्वपूर्ण मौजूदगी को जनमानस में दर्ज करना इस रैली का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है । बिहार की समस्या, बिहार के पिछड़ेपन व गतिरुध्दता के खिलाफ सही विकास को निरुपित करनेवाले मांग पत्र को पेश करना व उस पर अमल के दबाव का माहौल बनाना इस रैली का सर्वप्रमुख उद्देश्य है ।

पहले राष्ट्रीय सम्मेलन से जसस अपना घोषणा पत्र जारी करेगी । घोषणापत्र का मसविदा २३-२६ जुलाई की राष्ट्रीय तैयारीसमिति की बैठक में निष्कर्षरुप लेगा और सितम्बर के पहले सप्ताह तक सम्मेलन के आमंत्रितों तक भेज दिया जायेगा । घोषणा पत्र का मसविदा श्री किशन पटनायक तैयार कर रहे हैं ।

जसस के पटना सम्मेलन तक मुख्य कार्यालय पटना में ही रहेगा । पटना कार्यालय -१२ राजेन्द्रनगर, पटना-८०००१६ स्थित छात्र युवा संघर्ष वाहिनी तथा जनमुक्ति संघर्षवाहिनी के कार्यालय से संचालित होगा । इस कार्यालय से ५२७७९ नम्बर पर फोन कर सम्पर्क किया जा सकता है । बातचीत करनी हो तो शाम में फोन करना उचित होगा

— ह० प्र० [signature]

नोट- पत्र के साथ में संलग्न छपा स्टीकर
आपके इकाई हेतु कितनी प्रतियां
[illegible]